SNBP International & Senior Secondary School, Chikhali, Pune.
Affiliation No. 1130703
Academic session 2023-24
NOTES (TERM-2)

CLASS : 5 **SUBJECT: HINDI**

Prepared By: PUJA JAISWAL **LESSON- 16 कबीर के दोहे**

प्रश्न १) शब्द अर्थ एवं श्रुतलेख पाठ्यपुस्तक 'प्रतिभा' से लिखिए ।

प्रश्न २) खाली जगह भरिए –

१) औरन को सीतल करे , आपहुँ सीतल होय ।

२) माटी कहे कुम्हार से , तू क्या रुँदे मोहि ।

३) ढ़ाई आखर प्रेम का पढ़े सो पंडित होय ।

प्रश्न ३) दिए गए शब्दों का अर्थ लिखकर वाक्यों में प्रयोग कीजिए –

१) हिरदै = दिल

ब्रज भाषा में दिल को हिरदै कहते है ।

२) सीतल करे = शांति दे

हमारी वाणी ऐसी होनी चाहिए जो दूसरों के मन को सीतल करे |

प्रश्न ४) एक वाक्य में उत्तर लिखिए –

क) हमें क्या देख कर नहीं ललचाना चाहिए ?

उत्तर- हमें दूसरों की घी में चुपड़ी हुई रोटी देखकर नहीं ललचाना चाहिए ।

ख) तपस्या और पाप की तुलना किससे की गई है ?

उत्तर- तपस्या और पाप की तुलना सच्चाई और झूठ से की गई है ।

प्रश्न ५) दिए गए दोहे का अर्थ लिखिए -

"गुरु गोविन्द दोऊ .....दियो बताय |"

अर्थ – कबीर दास जी अपने गुरु के महत्ता बताते हुए कहते हैं की गुरु और ईश्वर दोनों मेरे सामने है किन्तु मैं दुविधा में हूँ की किसे पहले प्रणाम करूँ ? अपने गुरु को शत -शत नमन करता हूँ जिन्होंने मुझे ईश्वर का साक्षात्कार करवाया |

व्याकरण

प्रश्न ६) दिए गए वाक्यों में उचित समरूपी भिन्नार्थक शब्द लिखिए –

क) मैं और मेरी दोस्त कल विद्यालय गए थे। (और / ओर)

ख) दीये की लौ ऊँची उठ रही है | (लो / लौ)

ग) यह फल पका हुआ है | (पक्का / पका)